

C-AVZ-O-QPMA

राजनीति-विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (प्रश्न-पत्र-I)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS (PAPER-I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो :
Comment on the following in about 150 words each : 10×5=50
- (a) नैसर्गिक अधिकारों का विचार
Idea of Natural Rights
- (b) अरस्तू की समता की संकल्पना
Aristotle's Conception of Equality
- (c) रॉल्स की न्याय की थियोरी में 'विशिष्टता सिद्धान्त'
'Difference Principle' in Rawls' Theory of Justice
- (d) सहभागी और विचार-विमर्शी लोकतंत्र में अन्तर
Difference between Participatory and Deliberative Democracy
- (e) राज्य के संबंध में गाँधी के विचार
Gandhi's Views on State
2. (a) समकालीन विश्व में राज्य की प्रभुता को चुनौतियों का परीक्षण कीजिए।
Examine the challenges to sovereignty of the State in the contemporary world. 20
- (b) मार्क्सवाद-पूर्व समाजवादी थियोरी के प्रमुख अभिलक्षणों पर चर्चा कीजिए।
Discuss the key features of pre-Marxist socialist theory. 15
- (c) राज-कला पर कौटिल्य और मैकियावेली के विचारों में समानताओं और विषमताओं का उल्लेख कीजिए।
Compare and contrast the views of Kautilya and Machiavelli on Statecraft. 15
3. (a) "प्लेटो अप्रतिबंधित समाज का एक शत्रु था।" (पॉपर) समीक्षा कीजिए।
"Plato was an enemy of the open society." (Popper) Comment. 20
- (b) मार्क्सवादी थियोरी में आधार और अधिरचना के मध्य संबंध का विवेचन कीजिए।
Discuss the relationship between base and superstructure in Marxist theory. 15
- (c) शक्ति और प्राधिकार के बीच विभेदन कीजिए।
Distinguish between Power and Authority. 15
4. (a) पूँजीवादी समाजों में 'विधिसम्मतता का संकट' की विवेचना कीजिए। (हाबरमास)
Discuss the 'crisis of legitimacy' in capitalist societies. (Habermas) 20
- (b) ग्राम्सी के 'जैविक बुद्धिजीवियों (ऑर्गेनिक इन्टेलेक्चुअल्स)' के अभिप्राय की विवेचना कीजिए।
Discuss Gramsci's notion of 'organic intellectuals'. 15
- (c) डेविड ईस्टन के तंत्र-विश्लेषण के मॉडल पर चर्चा कीजिए।
Discuss David Easton's model of systems analysis. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो : 10×5=50
Comment on the following in about 150 words each :
- (a) भारतीय संविधान में धर्म-निरपेक्षता
Secularism in the Indian Constitution
- (b) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में एक रणनीति के रूप में सत्याग्रह
Satyagraha as a Strategy in the Indian National Movement
- (c) भारतीय संविधान का 99वाँ संशोधन
99th Amendment of the Indian Constitution
- (d) 'नीति' आयोग की संरचना व उसका प्रकार्य
Structure and Function of NITI Aayog
- (e) भारत में सहकारी परिसंघवाद
Cooperative Federalism in India
6. (a) भारत में न्यायिक पुनर्विलोकन की प्रभावोत्पादकता की विवेचना कीजिए।
Discuss the efficacy of judicial review in India. 20
- (b) भारतीय संविधान द्वारा राज्यपाल को प्रदान की गई वैवेकिक शक्तियों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
Critically analyze the discretionary powers granted to the Governor by the Indian Constitution. 15
- (c) "भारत में पहचान राजनीति ने विकास राजनीति को मात दे दी है।" टिप्पणी कीजिए।
"Identity politics has trumped development politics in India." Comment. 15
- (7) (a) 1991 से अपनाई गई नव-आर्थिक नीतियों के आलोक में भारतीय संविधान की उद्देशिका में 'समाजवादी' शब्द की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।
In the light of neo-economic policies adopted since 1991, examine the relevance of the term 'socialist' in the Preamble of the Indian Constitution. 20
- (b) भारत में केन्द्र-राज्य संबंधों में विवादित क्षेत्रों को चिह्नित कीजिए।
Identify the contested areas in Centre-State relations in India. 15
- (c) 'शिक्षा का अधिकार' और उसके द्वारा उठाए गए सरोकारों पर चर्चा कीजिए।
Discuss the 'Right to Education' and the concerns raised by it. 15

8. (a) भारत में लोकतंत्र की जड़ें गहरी करने में पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय स्थानीय निकायों की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
Examine the role of Panchayati Raj Institutions and Urban Local Bodies in deepening of democracy in India. 20
- (b) विकास के नेहरूवादी और गाँधीवादी मॉडलों की तुलना कीजिए।
Compare the Nehruvian and Gandhian models of development. 15
- (c) प्रादेशिक राजनीतिक दलों के उदय का कारण बताइए तथा समकालीन भारत में उनकी भूमिका का आकलन कीजिए।
Account for the rise of regional political parties and assess their role in contemporary India. 15
